मेरे पिता
डॉ. मार्टिन लूथर किंग, जूनियर



मार्टिन लूथर किंग III

चित्र: एजी फोर्ड

मेरी बहन योलान्डा, जिसे हम योकी कहते थे, और मैं सबसे ज्यादा फ़न-टाउन जाना चाहते थे. "ठीक है, बच्चों, तुम्हें पता है कि डैडी बहुत मेहनत कर रहे हैं जिससे तुम सब बच्चे फ़न-टाउन जा सको, लेकिन आज यह संभव नहीं होगा," डैडी कहते थे. "शायद अगले सप्ताह." लेकिन वो सप्ताह कभी नहीं आता था.

"आप हमें वहां नहीं ले जाना चाहते हैं!" योकी रोई. और अंत में, मेरी माँ ने समझाया. हमें फ़न-टाउन के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी. सवारी और रोलर कोस्टर राइड्स केवल गोरे लोगों के लिए थीं. जब मैं बड़ा हो रहा था तो ऐसे ही हालात थे. मेरे पिताजी ने उस स्थिति को बदलने के लिए संघर्ष किया.

प्रसिद्ध नागरिक अधिकार कार्यकर्ता डॉ. मार्टिन लूथर किंग, जूनियर का छोटा बेटा होना हमेशा आसान नहीं था. बहुत से लोग डॉ. किंग और मार्टिन लूथर किंग III, जिन्हें बचपन में मार्टी कहा जाता था, से सहमत नहीं थे. मार्टी को धमकियों का सामना करना पड़ा और लोगों ने नाम और त्वचा के रंग के कारण उसे गालियां दीं. लेकिन मार्टी जानता था कि उसके पिता दुनिया को सबके लिए एक बेहतर जगह बनाना चाहते थे. और मार्टी खुद भी उस बदलाव का हिस्सा था.

इस मार्मिक चित्र पुस्तक में, मार्टिन लूथर किंग III ने अपने पिता के साथ बचपन के सामान्य और असाधारण क्षणों को कैद किया है.

मेरे पिता
डॉ. मार्टिन लूथर किंग, जूनियर



मार्टिन लूथर किंग III

चित्र: एजी फोर्ड



मैं एक प्रसिद्ध पिता के साथ बड़ा हुआ

मेरा नाम मार्टिन लूथर किंग III है. लेकिन जब मैं बच्चा था, तो मेरे दोस्तों और परिवार मुझे मार्टी कहते थे ताकि कोई मेरे नाम को मेरे पिता, रेवरेंड मार्टिन लूथर किंग, जूनियर के साथ भ्रमित न करे.

जब मैं पाँच साल का था, तो मेरे पिताजी ने अपना एक सबसे प्रसिद्ध भाषण दिया था. "मेरा एक सपना है कि एक दिन यह राष्ट्र ऊपर उठेगा और अपने अस्तित्व के सही अर्थ को जीएगा ... कि सभी पुरुषों को समान बनाया गया है," उन्होंने घोषणा की. "मेरा एक सपना है कि मेरे चारों छोटे बच्चे एक दिन एक ऐसे देश में रहेंगे जहां उन्हें उनकी त्वचा के रंग से नहीं, बल्कि उनके चरित्र के आधार पर आंका जाएगा."

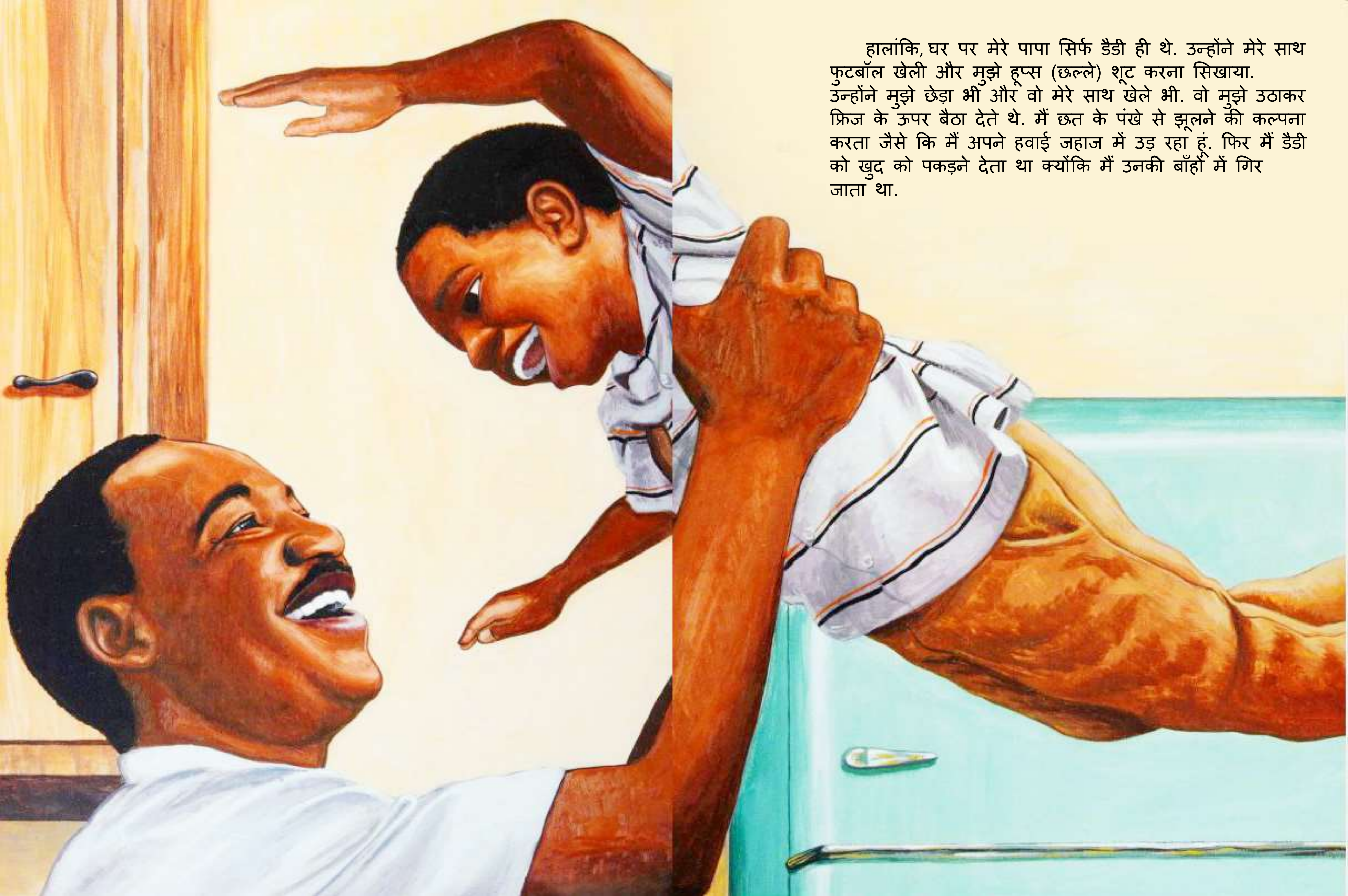
मैं उन चार बच्चों में से दूसरा हूं जिनके बारे में उन्होंने वो बात कही थी.

मार्टिन लूथर किंग, जूनियर के बारे में बहुत सारी किताबें लिखी गई हैं. लेकिन मेरे पिताजी के बारे में बहुत कुछ नहीं लिखा गया है. यह किताब मेरे डैडी के बारे में है कि उनके साथ रहना कैसा था और मैं उनसे कितना प्यार करता था.

मेरी बहन योलान्डा, जिसे हम योकी कहते थे, और मैं किसी भी चीज़ से ज्यादा फ़न-टाउन जाना चाहते थे. "ठीक है, बच्चों, तुम्हें पता है कि डैडी बहुत मेहनत कर रहे हैं ताकि सभी बच्चे फ़न-टाउन जा सकें, लेकिन आज यह संभव नहीं होगा," डैडी ने कहा. "शायद अगले सप्ताह." लेकिन वो सप्ताह कभी नहीं आया.

"आप हमें वहां नहीं लेना चाहते हैं!" योकी ने रोते हुए कहा. फिर अंत में मेरी माँ ने हमें समझाया. हमें फ़न-टाउन में जाने की अनुमति नहीं थी. वहां के खेल और रोलर कोस्टर राइड्स केवल गोरे लोगों के लिए थीं. जब मैं बड़ा हो रहा था तो ऐसा ही था. मेरे पिताजी ने उस स्थिति को बदलने के लिए कड़ा संघर्ष किया.





हालांकि, घर पर मेरे पापा सिर्फ डैडी ही थे. उन्होंने मेरे साथ फुटबॉल खेली और मुझे हूप्स (छल्ले) शूट करना सिखाया. उन्होंने मुझे छेड़ा भी और वो मेरे साथ खेले भी. वो मुझे उठाकर फ्रिज के ऊपर बैठा देते थे. मैं छत के पंखे से झूलने की कल्पना करता जैसे कि मैं अपने हवाई जहाज में उड़ रहा हूं. फिर मैं डैडी को खुद को पकड़ने देता था क्योंकि मैं उनकी बाँहों में गिर जाता था.

लेकिन घर के बाहर, बात अलग थी. मार्टिन लूथर किंग, जूनियर का बेटा होना हमेशा आसान नहीं था.

"तुम्हारा क्या नाम है?" दो बड़े लड़कों ने मुझसे पूछा.

"मुझे याद नहीं है," मैंने कहा. "मैं भूल गया."

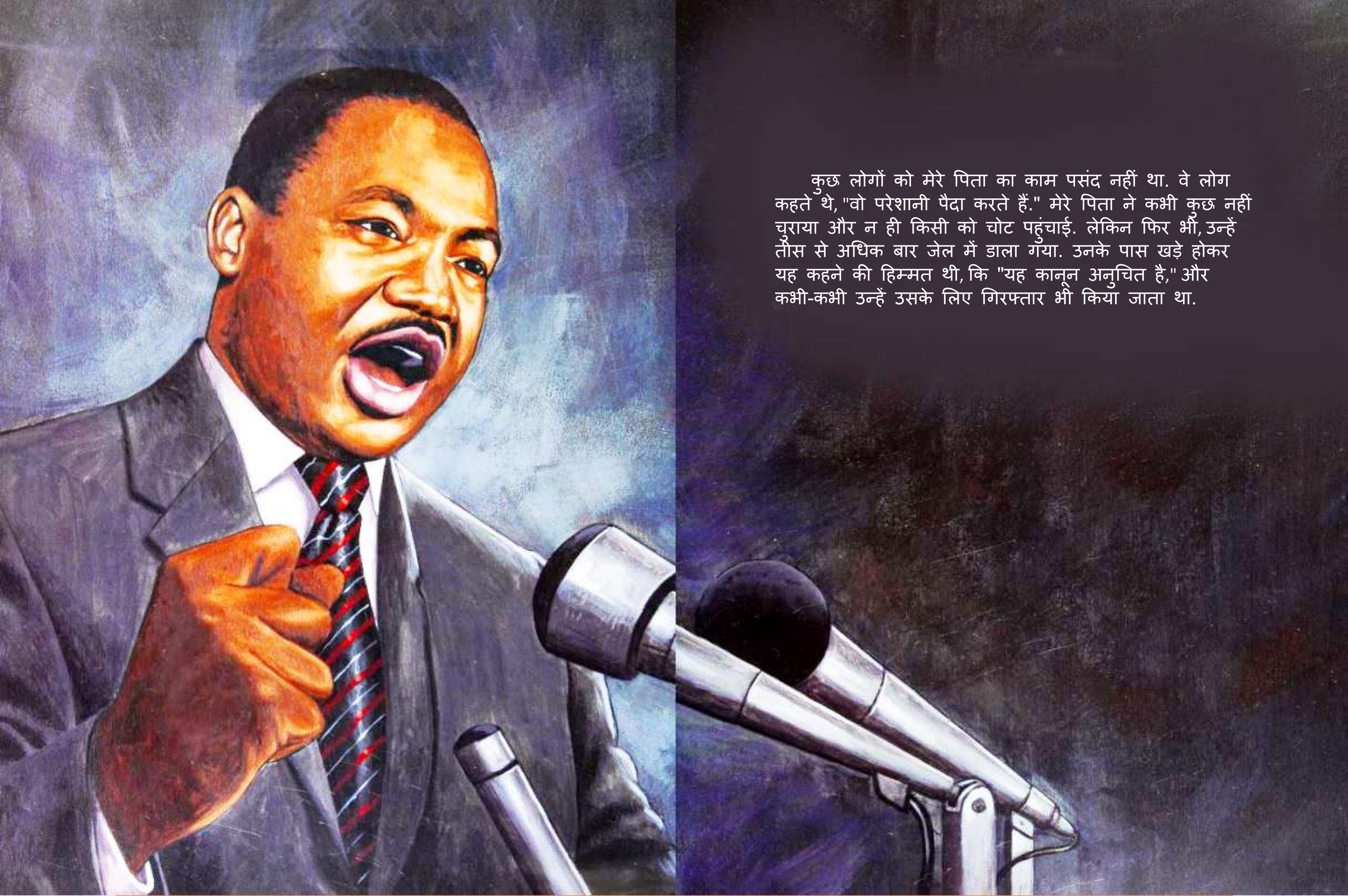
मैं जानता था कि झूठ बोलना गलत था.





"तुमने ऐसा क्यों कहा, मार्टी?" मेरी माँ ने बाद में पूछा.

"तुम अपना नाम जानते हो. वो तुम्हारे पिता का नाम ही है." मैं वो जानता था. और मैं यह भी जानता था कि मैंने अपना नाम क्यों नहीं बताया—क्योंकि मुझे डर लगता था.



कुछ लोगों को मेरे पिता का काम पसंद नहीं था. वे लोग कहते थे, "वो परेशानी पैदा करते हैं." मेरे पिता ने कभी कुछ नहीं चुराया और न ही किसी को चोट पहुंचाई. लेकिन फिर भी, उन्हें तीस से अधिक बार जेल में डाला गया. उनके पास खड़े होकर यह कहने की हिम्मत थी, कि "यह कानून अनुचित है," और कभी-कभी उन्हें उसके लिए गिरफ्तार भी किया जाता था.

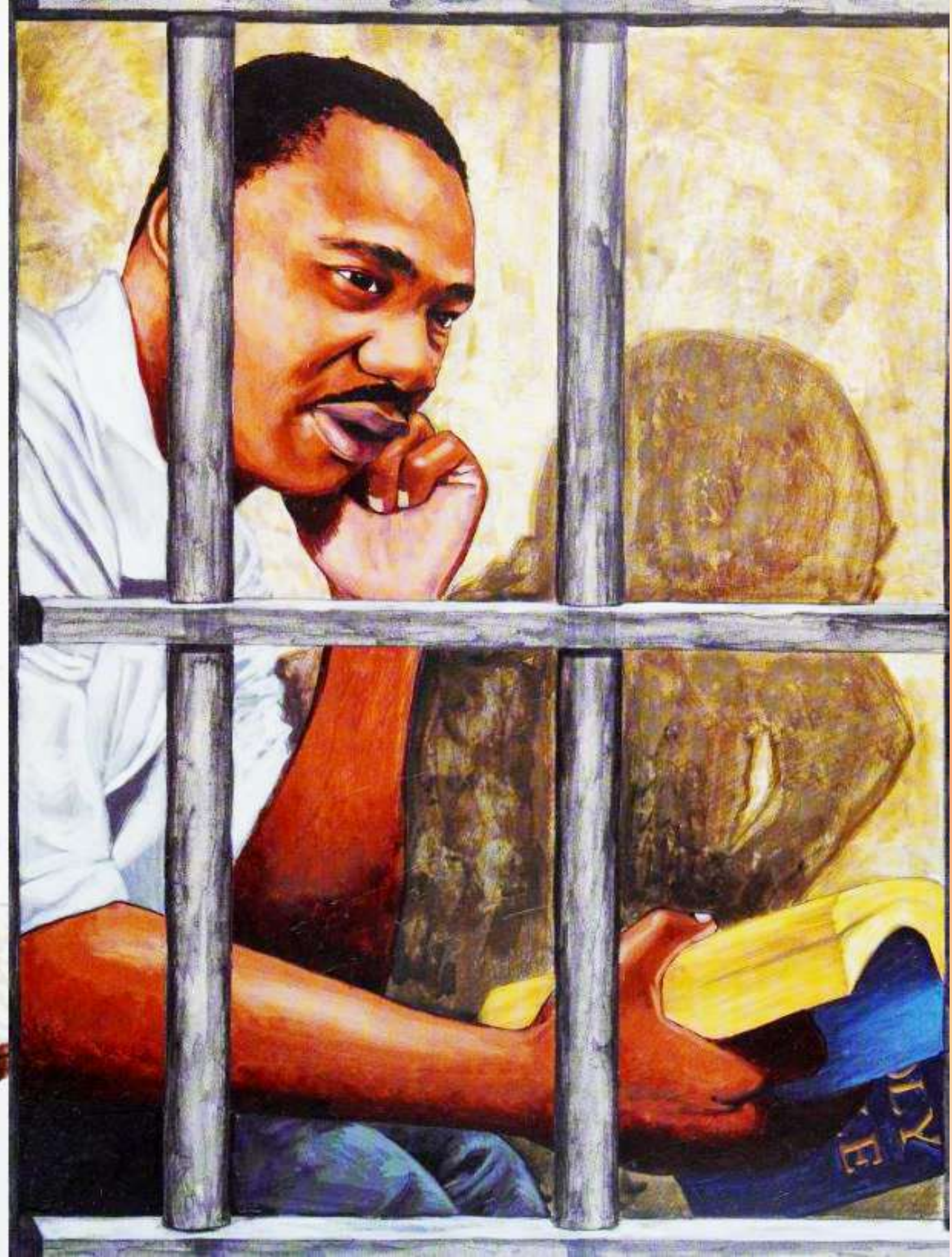
एक बार, एक पड़ोसी मुझे स्कूल से घर ले जा रहा था. रेडियो पर हमने सुना कि मार्टिन लूथर किंग और लगभग अस्सी अन्य लोगों को जेल में डाल दिया गया था. मैं भयभीत हुआ. मैं रोते हुए अपने घर के अंदर भागा और मैंने माँ से पूछा, "डैडी जेल क्यों गए? उन्होंने क्या गलत किया?"





मेरी मां ने मुझे गले लगाया. "तुम्हारे पिताजी लोगों की मदद करने के लिए जेल गए हैं," माँ ने मुझसे कहा. "बहुत से लोगों के पास खाने को पर्याप्त भोजन नहीं है, उनके पास आरामदायक घर, या पहनने के लिए कपड़े नहीं हैं. वे हमारे जितने भाग्यशाली नहीं हैं. डैडी इसलिए जेल गए हैं ताकि सभी लोगों को ये चीज़ें मिल सकें. चिंता मत करो, पापा जल्द ही वापस आ जायेंगे."





मैंने माँ की बातों को अपने दिल के करीब रखा. एक साल बाद, जब डैडी को फिर से गिरफ्तार किया गया, तो योकी डरी कि डैडी क्रिसमस के लिए घर नहीं आएंगे.



इस बार मैंने ही योकी को सांत्वना दी. "रो मत, योकी, डैडी वापस आएंगे. वो लोगों की मदद कर रहे हैं. उन्होंने पहले भी लोगों की मदद की है, लेकिन उन्हें अभी कुछ और मदद करनी बाकी है, और जब वो उसे पूरा कर लेंगे, तो वो घर वापस आएंगे."

केवल मेरे पिता अकेले ही खतरे में नहीं थे. अनुचित कानूनों को बदलने की कोशिश में बहुत से लोग घायल हुए थे और मारे भी गए थे.

एक बार, जब मैं एक विरोध प्रदर्शन में मार्च कर रहा था, तब मैंने एक सुंदर महिला को देखा जिसकी नाक पर पट्टी बंधी हुई थी. मेरी मां ने समझाया कि उस पर एक पुलिस अधिकारी ने हमला किया था. मार्च करने वाले लोग शांतिपूर्ण थे. लेकिन उसके बावजूद पुलिस ने उन्हें चोट पहुंचाई थी. यहां तक कि पुलिस अधिकारियों ने मार्च करने वालों पर फायर ब्रिगेड के पाइप से पानी फेंका और उन पर कुत्तों से हमला किया.



बाद में एक पुलिस अधिकारी एक विशाल कुत्ते के साथ हमारे पास आया. वो कुत्ता मुझ पर गुर्रा रहा था. मैं डर गया. "ठीक है, मार्टी," मेरे पिता ने मेरा हाथ थामते हुए मुझसे कहा.

फिर मैंने खुद को सुरक्षित महसूस किया. मेरे पिताजी ऊंचे कद के नहीं थे, लेकिन उन्होंने हमेशा मुझे यह महसूस कराया कि वो एक विशालकाय व्यक्ति थे. जब मैं उसके साथ होता था तो मुझे कभी डर नहीं लगता था.





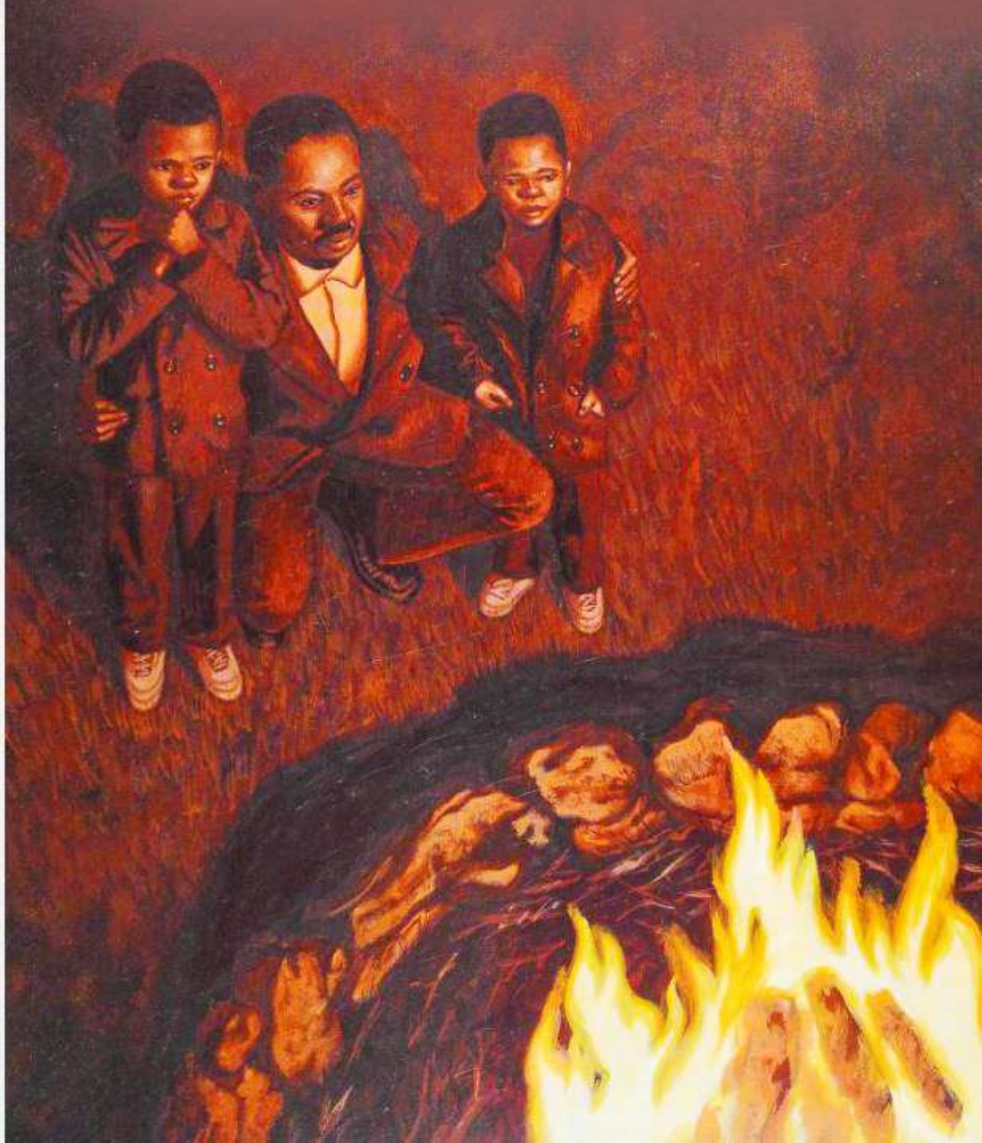
चाहे उन्हें कितना भी गुस्सा क्यों न आ रहा हो, मेरे पिताजी कभी भी लड़ाई नहीं लड़ते थे. वो हमेशा कहते थे, "हमें हिंसा का मुकाबला अहिंसा से करना चाहिए. हमें नफरत का मुकाबला प्रेम से करना चाहिए."

अहिंसा सिर्फ मार्च और विरोध के लिए नहीं थी. वो घर में भी लागू थी. एक क्रिसमस, मेरे भाई, डेक्सटर, और मुझे उपहार के तौर पर खिलौने वाली बंदूकें मिलीं. पड़ोस के अधिकांश अन्य लड़के उन बंदूकों से खेलते थे, और हम भी उनके जैसे ही खेलना चाहते थे.



लेकिन हमें पता था कि बंदूकें गलत थीं. वे खिलौने नहीं थे - वे चोट पहुँचाने और मारने के लिए बनाई गई मशीनें थीं. फिर पूरे परिवार ने मिलकर बंदूकें बाहर निकालीं, और आग लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया.

उस रात, जब मैं और मेरा भाई अपने उपहारों को जलते हुए देख रहे थे, तब हमें विश्वास हुआ कि हमने दुनिया की सभी नफरतों को नष्ट कर दिया था.



लेकिन वो जलता हुआ अलाव सब कुछ ठीक नहीं कर सका. लेकिन कुछ चीज़ें बेहतर हो रही थीं—जैसे वो कानून जो काले और गोरे बच्चों को, एक ही स्कूल में जाने से रोकता था. जब मैं तीसरी कक्षा में था, उस अनुचित कानून को आखिरकार बदल दिया गया. मेरी माँ ने योकी और मुझे बताया कि सितंबर में हम एक नए स्कूल में जाएंगे.

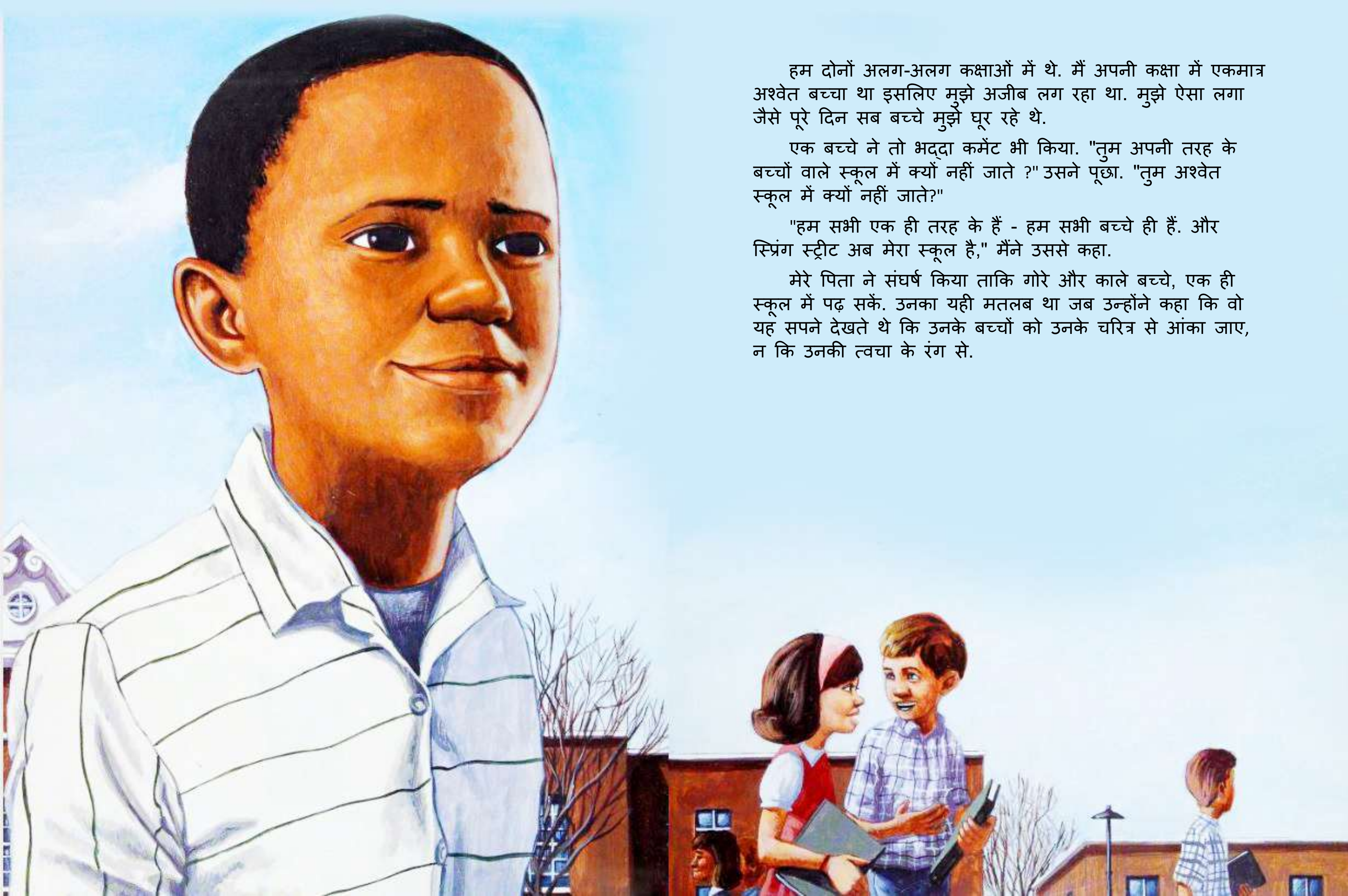
मैं ऐसा नया बच्चा नहीं बनना चाहता था जो गोरों के स्कूल में अकेला काला छात्र हो. योकी को भी वैसा ऐसा ही लगा. "हम नए स्कूल में जाना नहीं चाहते," हमने शिकायत की. "हम नए स्कूल के अकेले अश्वेत बच्चे नहीं बनना चाहते हैं."



मेरी मां ने कहा कि वो उसके बारे में कुछ ज़रूर करेंगी. स्कूल शुरू होने से एक दिन पहले, हमें पता चला कि हमारे तीन अन्य अश्वेत दोस्त भी हमारे साथ स्प्रिंग स्ट्रीट स्कूल जा रहे थे.

मैं अपने दोस्तों और अपनी बहन को अपने साथ पाकर खुश था, क्योंकि जब हम स्कूल पहुंचे, तो फ्लैशबल्ब जल रहे थे और हर जगह टीवी कैमरे चालू थे. पत्रकार हमसे क्यों बात करना चाहते थे? हम सब की तरह ही साधारण स्कूल जाने वाले बच्चे थे.





हम दोनों अलग-अलग कक्षाओं में थे. मैं अपनी कक्षा में एकमात्र अश्वेत बच्चा था इसलिए मुझे अजीब लग रहा था. मुझे ऐसा लगा जैसे पूरे दिन सब बच्चे मुझे घूर रहे थे.

एक बच्चे ने तो भद्दा कमेंट भी किया. "तुम अपनी तरह के बच्चों वाले स्कूल में क्यों नहीं जाते ?" उसने पूछा. "तुम अश्वेत स्कूल में क्यों नहीं जाते?"

"हम सभी एक ही तरह के हैं - हम सभी बच्चे ही हैं. और स्प्रिंग स्ट्रीट अब मेरा स्कूल है," मैंने उससे कहा.

मेरे पिता ने संघर्ष किया ताकि गोरे और काले बच्चे, एक ही स्कूल में पढ़ सकें. उनका यही मतलब था जब उन्होंने कहा कि वो यह सपने देखते थे कि उनके बच्चों को उनके चरित्र से आंका जाए, न कि उनकी त्वचा के रंग से.

एक समय में एक स्कूल. एक समय में एक बच्चा. एक समय में एक दिल.

इसी तरह दुनिया बदली है. दया और करुणा के साथ अन्य लोगों के दिलों तक पहुंचकर. मेरे पिता लोगों के दिलों और अनुचित कानूनों को बदल रहे थे. उन्होंने एक बार कहा था, "हमारे भीतर एक शक्ति है जो बन्दूक की गोलियों की ताकत से कहीं अधिक शक्तिशाली है." वो शक्ति थी प्रेम और विश्वास की. पर एक गोली ने मेरे पिता की जीवन लीला समाप्त कर दी. लेकिन वो गोली उनके संदेश को नहीं रोक पाई. वो गोली उनके काम को नहीं रोक पाई.

मेरे पिता मुझे स्कूल शुरू करते समय देखने के लिए वहां मौजूद थे, लेकिन वो मुझे स्नातक की डिग्री हासिल करते हुए नहीं देख पाए. मैं केवल दस साल का था जब वो मारे गए. जब मेरे पिता की मृत्यु हुई तब मैं बहुत छोटा था, लेकिन मुझे एक गर्मजोश और चंचल व्यक्ति की स्मृति का आशीर्वाद प्राप्त है. और मैं जहां भी जाता हूं, मुझे उनकी याद आती है. अमेरिका में लगभग हर शहर में मेरे पिता के नाम पर सड़कें, चर्च और स्कूल हैं. और हर जनवरी के तीसरे सोमवार को हम उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाते हैं. ये चीजें उनकी स्मृति का सम्मान करती हैं और उनकी आत्मा को जीवित रखती हैं.

हमें अपने विचार बदलते रहना चाहिए, जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा किया था. हमें सभी की स्वतंत्रता और समानता के लिए काम जारी रखना चाहिए जैसे मेरे पिता ने किया.

उनका बेटा होना हमेशा आसान नहीं था. लेकिन मुझे उनके बेटे होने पर बहुत गर्व है. और मुझे उनका नाम साझा करते हुए भी बहुत गर्व हो रहा है.

